यूपीईएस यूनिवर्सिटी के 15 स्टूडेंट्स को गोल्ड

PIC: DAINIK JAGRAN I NEXT

● स्टूडेंट्स को उपाधि प्रदान करते गवर्नर.

यूपीईएस विवि के कॉन्वोकेशन में गवर्नर ने प्रदान किए मेडल

dehradun@inext.co.in

DEHRADUN (2 Dec): यूपीईएस यूनिवर्सिटी के 21वें दीक्षा समारोह में राज्यपाल ले.जन. गुरमीत सिंह (रिटा.) ने 15 मेधावी स्टूडेंट्स को गोल्ड, 61 को सिल्वर मेडल से सम्मानित किया. दीक्षा समारोह में ग्रेजुएट, पीजी व रिसर्च के 2,656 स्टूडेंट्स को उपाधियां दी गई. वहीं, सीसीई (सेंटर फॉर कंटीन्यूइंग एजुकेशन) में 6 स्टूडेंट्स को रजत पदक और 24 को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया.

नंबर वन की रैंकिंग

यूपीईएस के वीसी डा. राम शर्मा ने यूनिवर्सिटी की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस, स्कूल ऑफ हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी और स्कूल ऑफ मॉडर्न मीडिया में सभी स्टूडेंट्स का शत-प्रतिशत प्लेसमेंट हुआ. कहा, हमें अपने दूरदर्शी अकादमिक विशेषज्ञों, प्रोफेसरों, छात्रों शोधार्थियों और बदलाव लाने वाली शानदार उपलब्धियों पर गर्व है. विवि के वीसी डा. राम शर्मा ने बताया कि यूपीईएस यूनिवर्सिटी को क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2023 की ओर अकादमिक प्रतिष्ठा के हिसाब से नंबर एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी का रैंकिंग दी गई है. टाइम्स हॉयर एजुकेशन वर्ल्ड के मुताबिक यूपीईएस को भारत के निजी एवं डीम्ड विवि में 9वीं रैंकिंग दी गई है.

संस्कारयुक्त शिक्षा जरूरी

गवर्नर ले.जन. गुरमीत सिंह (रिटा.) ने स्टूडेंट्स का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षा ही वह साधन है, जो मनुष्य के भीतर मानवीय गुणों और अच्छे विचारों का निर्माण करती है. कहा, नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण शिक्षित नागरिक ही बेहतर समाज और राष्ट्र के निर्माण में अहम योगदान देते हैं. इसलिए बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और संस्कारयुक्त शिक्षा की ओर ध्यान देना जरूरी है. राज्यपाल ने कहा कि यूनिवर्सिटी को स्टूडेंट्स की जरूरतों के अनुसार पाठ्यक्रम में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अपनाकर शिक्षा में स्किल डेवलपमेंट व सतत विकास पाठ्यक्रम को शामिल करने की जरूरत है. शिक्षा नीति युवाओं के सपनों को साकार करने में सक्षम है.